



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 75]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 11, 2011/माघ 22, 1932

No. 75]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 11, 2011/MAGHA 22, 1932

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2011

सा.का.नि. 87(अ).—दिनांक 8 जुलाई, 2010 के भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित क्रम सं 383 [सा.का.नि. 590(अ)] के पृष्ठ 2 पर अनुसूची के कॉलम (8) “शैक्षिक योग्यताएं और अनुभव” से संबंधित भाग (ii) को इस प्रकार पढ़ा जाए :

“(ii) अध्यापन/उद्योग/अनुसंधान में 15 वर्ष का अनुभव जिसमें से 5 वर्ष इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी के प्रोफेसर अथवा उससे उच्च स्तर पर होने चाहिए

अथवा

उद्योग/व्यवसाय जगत के ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पीएच.डी. डिग्री के समकक्ष मान्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक कार्य के साथ इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की हो और जो 15 वर्ष का अनुभव रखते हों जिसमें से 5 वर्ष का अनुभव प्रोफेसर के समतुल्य वरिष्ठ स्तर का हो।”

[फा. सं. 3-3/2007-टीएस-II]

अशोक ठाकुर, अपर सचिव